भारतेन्दु युग :- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने अपने 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' में आधुनिक युग का प्रथम उत्थान भारतेन्दु हरिश्चन्द्र से स्वीकार किया है। भारतेन्दु युग का समय 1868 से 1903 ई० तक निर्धारित किया गया है।

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को आधुनिक हिन्दी-गद्य का जनक माना जाता है। अपने विशाल साहित्य का निर्माण कर इन्होंने हिन्दी में अनेक नवीन विधाओं का द्वार उन्मुक्त कर दिया था। भारतेन्दु द्वारा प्रयुक्त हिन्दी 'हरिश्चन्द्री हिन्दी' मानी जाती है, जैसे आगे चलकर प्रेमचंद द्वारा प्रयुक्त शैली को 'प्रेमचन्दी हिन्दी' या 'हिन्दुस्तानी' कहा गया था। उनकी खड़ी बोली में रचित कविताओं का एक संग्रह 'फूलों का गुच्छा' नाम से प्रकाशित हुआ था।

भारतेन्दु मण्डल के सहयोगी लेखक :- बालकृष्ण भट्ट, दामोदर शास्त्री सप्रे, काशीनाथ खत्री, राव कृष्णदेव शरण सिंह गोप, श्रीनिवासदास, राजा खड्गबहादुर मल्ल, साहबजादे सुमेर सिंह, मोहन लाल विष्णुलाल पण्ड्या, कार्तिकप्रसाद खत्री, केशवराम भट्ट, बदरीनारायण उपाध्याय, प्रेमघन, जगमोहन सिंह, प्रतापनारायण मिश्र, अम्बिका दत्त व्यास, रामकृष्ण वर्मा, गोस्वामी राधाचरण तथा राधाकृष्णदास प्रमुख हैं।

* भारतेन्दु युगीन विशेषताएँ :-

1. गद्य-शैली का परिमार्जन एवं परिष्करण,
2. गद्य की विविध विधाओं का विकास
3. समकालीन जीवन का निरूपण
4. पत्र-पत्रिकाओं का बाहुल्य

Scanned with Cam

भारतेन्दु कविता की प्रवृत्तियाँ :-

1. देशभक्ति
2. प्राचीनता तथा नवीनता का समन्वय
3. जनवादी विचारधारा का चित्रण
4. स्वतंत्र प्रकृति-चित्रण
5. इतिवृत्तात्मकता
6. भाषा
7. हृदय
8.

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र :- भारतेंदु हरिश्चन्द्र का जन्म संवत 1850 बनारस के पुराने अग्रवाल परिवार में हुआ था। इनकी मृत्यु 1885 में संवत को हुआ था। इनके पिता का नाम - गोपालचन्द्र उपमान गिरिधर दास था। हरिश्चन्द्र केवल हिन्दी के जन्मदाता ही नहीं थे, वह एक समाज सुधारक भी थे। वह कट्टर वैष्णव थे। केवल पाँच वर्ष की अवस्था में उन्होंने बाल शिक्षा के लिए एक पाठशाला खोली, जो हरिश्चन्द्र डिग्री कॉलेज के नाम से विद्यमान है।

रचनाएँ :- काव्य :-

1. भक्त सर्वस्व अर्थात श्री चरण-चिह्न-वर्णन संवत 1927
2. प्रेम मालिका - 1928
3. कार्तिक स्नान 1929
4. वैशाख - माहात्म्य - 1929
5. प्रेम सरोवर 1930
6. प्रेमाश्रु-वर्षण - 1930
7. जैन कुतूहल 1930
8. प्रेम माधुरी - 1932
9. प्रेम तरंग 1934
10. उत्तरार्द्ध भक्तमाल - 1934
11. प्रेम प्रलाप 1934
12. गीत गोविन्दानन्द - 1935
13. सतसई-सिंगार 1935
14. होली 1935
15. मधु मुकुल 1937
16. राग-संग्रह 1937
17. वर्षा विनोद 1937
18. विनय प्रेम-पचासा 1938
19. फूलों का गुच्छा 1939
20. प्रेम-फुलवारी - 1940
21. कृष्ण चरित्र 1940

Scanned with Cam